DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 30.4.2023
Page No. 16, Size:(14.19)cms X (10.70)cms.

A bullet train will run at a speed of 300 km per hour in the tunnel under construction near Umargam. 91 meters of the 350 meters of horseshoe-shaped tunnel is also ready.

ઉમરગામ પાસે બની રહેલી ટનલમાં કલાકના 300 કિલો મીટરની ઝડપે બુલેટ ટ્રેન દોડશે

ઘોડાની નાળ જેવા આકારની 350 મીટરની ટનલનો 91 મીટર હિસ્સો પણ તૈયાર

508 કિલોમીટર લાંબા અમદાવાદ-મુંબઇ બુલેટટ્રેન કોરિડોરનું કામ ફૂલ સ્પીડ ચાલી રહ્યું છે. 50 કિમી રૂટ પર એલિવેટેડ વાયડક્ટ તૈયાર થઇ ગયા છે. 180 કિમી રૂટ પર પિલર બની ગયા છે. તો વલસાડ નજીક ઉમરગામ પાસે એવી ટનલ બની રહી છે કે જેમાં બુલેટ ટ્રેન 300 ક્મિીની ફૂલ સ્પીડે જ દોડશે. આ ટનલની લંબાઈ 350 મીટર છે. અત્યાર સુધીમાં 91 મીટરનો હિસ્સો તૈયાર થઇ ગયો છે. અહીં એવી આધુનિક ટેકનિકનો ઉપયોગ થઇ રહ્યો છે કે, એકતરફ ટ્રેન મહત્તમ સ્પીડ પર દોડી શકશે તથા ટ્રેનની આ સ્પીડથી ટનલને પણ કોઇ નુકસાન થશે નહીં. અહીં ન્યૂ ઓસ્ટ્રિયન ટનલિંગ પદ્ધતિથી કામગીરી થઈ રહી છે, જેમાં પર્વતોને કાપીને ટનલ બનાવાશે, આ આધુનિક સુરંગને તૈયાર કરવા સૌથી સુરક્ષિત રસ્તો ગણાય છે. અહીં ડલબ ટ્રેકવાળી ટનલ બનશે, જેના ઘોડાની નાળ જેવા આકારથી 12.6 મીટરની પહોંળાઇ હશે. આ સિંગલ ટ્યુબ અને ડબલ ટ્રેકવાળી ટનલ છે. એટલે કે એક સાથ બે ટ્રેક તૈયાર કરાશે. **અહેવાલ : લવકુશ મિશ્રા**

The Bullet Train Will Run At A Speed Of 300 Km In This Gigantic Tunnel

આવું છે ઉમરગામમાં બનતું ટનલ

350	12.6	10.25
મીટર લંબાઇ	મીટર પહોળાઈ	મીટર લંબાઈ

આ મહાકાય ટનલમાં 300 કિમીની ઝડપે દોડશે બુલેટટ્રેન

સન્ડે બિગ સ્ટોરી

વલસાડ પાસે 350 મીટરની ટનલનો 91 મીટર જેટલો હિસ્સો બનીને તૈયાર, રાઉન્ડ ધ ક્લોક કામગીરી

લવકુશ મિશ્રા | સુરત

વડાપ્રધાન મોદીનો ડ્રીમ પ્રોજેક્ટ ગણાતા 508 કિલોમીટર લાંબા અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટટ્રેન કોરિડોરનું કામ ફુલ સ્પીડમાં છે. 50 કિમી રૂટ ઉપર એલીવેટેડ વાયડક્ટ તૈયાર થઈ ગયા છે. 180 કિમી રૂટ પર પિલર બની ગયા છે. તો વલસાડ નજીક ઉમરગામ પાસે એવી ટનલ બની રહી છે કે જેમાં બુલેટ ટ્રેન 300 કિમીની ફુલ સ્પીડે જ દોડશે. આ ટનલની લંબાઈ 350 મીટર છે જ્યાં દિવસ-રાત કામ ચાલી રહ્યું છે. અત્યાર સુધીમાં 91 મીટરનો હિસ્સો તૈયાર થઈ ગયો છે. અહીં એવી આધુનિક ટેકનિકનો ઉપયોગ થઈ રહ્યો છે કે, એકતરફ ટ્રેન મહત્તમ સ્પીડ પર દોડી શકશે તથા ટ્રેનની આ સ્પીડથી ટનલને પણ કોઈ નુકસાન થશે નહીં.

ન્યૂ ઓસ્ટ્રિયન ટનલિંગ પદ્ધતિથી થઈ રહેલી કામગીરી
અહીં ન્યૂ ઓસ્ટ્રિયન ટનલિંગ પધ્ધતિથી કામગીરી થઈ રહી છે, જેમાં પર્વતોને કાપીને ટનલ બનાવાશે, આ આધુનિક સુરંગને તૈયાર કરવા સૌથી સુરક્ષિત રસ્તો ગણાય છે.

ડબલ લેનવાળી ટનલ બનાવાશે: અહીં ડલબ ટ્રેકવાળી ટનલ બનશે, જેના ઘોડાની નાળ જેવા આકારથી 12.6 મીટરની પહોંળાઇ હશે. આ સિંગલ ટ્યુબ અને ડબલ ટ્રેકવાળી ટનલ છે. એટલે કે એક સાથે બે ટ્રેક તૈયાર કરાશે.

કેટલું કામ થયું..?

508 કિલોમીટરમાંથી 352 કિલોમીટરનું કામ ગુજરાતમાં

285.80 કિમીમાં પાઈલ નંખાયા

50.16 કિમીમાં વાયડક્ટર તૈયાર

182.4 કિમી રૂટમાં પીલરો તૈયાર

1882 ગર્ડર આવશે

75.03 કિમીથી વધુ લંબાઈ બનાવાઈ

250 મીટરના રેલ લેબલ સ્લેબની સુરત સ્ટેશન તરફ તૈયાર થઈ છે.

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : वलसाड में बन रही 350 मीटर लंबी टनल की सबसे भव्य तस्वीर दैनिक भास्कर में...

सूरत, रविवार, 30 अप्रैल, 2023, वैशाख, शुक्ल पक्ष-10, 2080 | कुल 20 पेज | मूल्य ₹ 6.00 | वर्ष 7 | अंक 1 | 12 राज्य 61 संस्करण

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की एकमात्र टनल की खासियत यह कि इसमें ट्रेन अपनी फुल रफ्तार से गुजरेगी

टनल ऐसी कि 300 किमी की स्पीड से दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

▪ 350 मीटर लंबी टनल का 91 मीटर का हिस्सा तैयार

लवकुश मिश्रा | सूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ड्रीम प्रोजेक्ट 508 किमी अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर पूरी रफ्तार के साथ आकार लेने लगा है। खासकर गुजरात वाले हिस्से में काफी तेजी से काम चल रहा है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 50 किमी से ज्यादा के रूट पर एलिवेटेड वायडक्ट तैयार कर लिया गया है, वहीं 180 किमी से ज्यादा के रूट पर पिलर खड़ा करने का भी काम पूरा हो चुका है। दूसरी ओर 508 किमी के रूट पर बनने वाला एकमात्र टनल जोकि वलसाड के उमरगांव में बन रहा है। इससकी लंबाई 350 मीटर है। इस पर दिन-रात काम चल रहा है। अब तक 91 मीटर का हिस्सा तैयार हो चुका है। इस टनल की खासियत यह है कि इसके अंदर से बुलेट ट्रेन अपनी पूरी स्पीड यानी 300 किमी की ज्यादा की रफ्तार से गुजर सकेगी।

इस टनल को बनाने में ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार में कमी नहीं आएगी और न ही तेजी से गुजरने पर टनल को नुकसान पहुंचेगा। उल्लेखनीय है कि बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में सबसे बड़ा हिस्सा पैकेज सी-4 का है। यह 237 किमी लंबा है। इसमें वापी-सूरत-वडोदरा तक का हिस्सा है। इसी हिस्से पर तेजी से काम चल रहा है।

टनल को ऐसी तकनीक से तैयार किया जा रहा है कि ट्रेन की रफ्तार कम न हो

ऐसा है उमरगांव में बन रहा टनल

350	12.6	10.25
मीटर लंबाई	मीटर चौड़ाई	मीटर ऊंचाई

डबल लेन वाली टनल- यह घोड़े की नाल के आकार में 12.6 मीटर चौड़ाई के साथ सिंगल ट्यूब और डबल लेन वाली टनल है। यानी एक ही सुरंग में दो ट्रैक होंगे।

टनल अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल प्रणाली से युक्त होगा। इसमें बुलेट ट्रेन जब अपनी पूरी रफ्तार से गुजरेगी तब न तो टनल को न ही ट्रेन को कोई नुकसान होगा।

न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड से तैयार किया जा रहा है टनल

चट्टानों को काटकर बनाया जा रहे टनल के लिए न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड(एनएटीएम) तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। आधुनिक सुरंगों को तैयार करने के लिए इस मेथड का इस्तेमाल किया जाता है। इसे सटीक-सुरक्षित तरीका माना जाता है।

भूमि अधिग्रहण की वर्तमान स्थिति

कुल	99.17%
गुजरात	98.91%
दानह	100%
महाराष्ट्र	99.75%

इस प्रोजेक्ट का अब तक कितना काम हो चुका

508 किलोमीटर में से 352 किमी हिस्सा गुजरात में

285.80 किमी से ज्यादा पाइल

50.16 किमी तक वायडक्ट तैयार किया जा चुका

182.4 किलोमीटर से ज्यादा रूट पर पिलर तैयार

1882 गर्डर 75.03 किमी से अधिक की लंबाई में ढाले जा चुके हैं

250 मीटर रेल लेबल स्लैब की ढलाई सूरत हाईस्पीड स्टेशन पर की जा चुकी है।

DAINIK BHASKAR, Ranchi, 30.4.2023
Page No. 20, Size:(7.96)cms X (4.72)cms.

गुजरातः इस टनल में 300 किमी की रफ्तार से चलेगी बुलेट ट्रेन

सूरत | 508 किमी अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर आकार लेने लगा है। इसमें एकमात्र टनल गुजरात के वलसाड के उमरगांव में बन रही है। इसकी लंबाई 350 मीटर है और 91 मीटर का हिस्सा तैयार हो चुका है। इस टनल की खासियत यह है कि इसके अंदर बुलेट ट्रेन पूरी स्पीड यानी 300 किमी की ज्यादा की रफ्तार से गुजर सकेगी। इस टनल को बनाने में ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार में कमी नहीं आएगी।

फोटो- लवकुश मिश्रा

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Gwalior, 30.4.2023
Page No. 24, Size:(6.68)cms X (3.76)cms.

गुजरातः इस टनल में 300 किमी की रफ्तार से चलेगी बुलेट ट्रेन

सूरत | 508 किमी अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर आकार लेने लगा है। इसमें एकमात्र टनल गुजरात के वलसाड के उमरगांव में बन रही है। इसकी लंबाई 350 मीटर है और 91 मीटर का हिस्सा तैयार हो चुका है। इस टनल की खासियत यह है कि इसके अंदर बुलेट ट्रेन पूरी स्पीड यानी 300 किमी की ज्यादा की रफ्तार से गुजर सकेगी। इस टनल को बनाने में ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार में कमी नहीं आएगी। फोटो- लवकुश मिश्रा

DAINIK BHASKAR, Jamshedpur, 30.4.2023
Page No. 16, Size:(7.65)cms X (4.51)cms.

गुजरातः इस टनल में 300 किमी की रफ्तार से चलेगी बुलेट ट्रेन

सूरत | 508 किमी अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर आकार लेने लगा है। इसमें एकमात्र टनल गुजरात के वलसाड के उमरगांव में बन रही है। इसकी लंबाई 350 मीटर है और 91 मीटर का हिस्सा तैयार हो चुका है। इस टनल की खासियत यह है कि इसके अंदर बुलेट ट्रेन पूरी स्पीड यानी 300 किमी की ज्यादा की रफ्तार से गुजर सकेगी। इस टनल को बनाने में ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार में कमी नहीं आएगी।

फोटो- लवकुश मिश्रा

DAINIK BHASKAR, Bhopal, 30.4.2023
Page No. 26, Size:(6.73)cms X (3.78)cms.

गुजरातः इस टनल में 300 किमी की रफ्तार से चलेगी बुलेट ट्रेन

सूरत | 508 किमी अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर आकार लेने लगा है। इसमें एकमात्र टनल गुजरात के वलसाड के उमरगांव में बन रही है। इसकी लंबाई 350 मीटर है और 91 मीटर का हिस्सा तैयार हो चुका है। इस टनल की खासियत यह है कि इसके अंदर बुलेट ट्रेन पूरी स्पीड यानी 300 किमी की ज्यादा की रफ्तार से गुजर सकेगी। इस टनल को बनाने में ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार में कमी नहीं आएगी। **फोटो- लवकुश मिश्रा**